

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं !

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।26 जनवरी 1950 का दिन केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं बल्कि उस महान संकल्प का प्रतीक है जब भारत ने अपने संविधान के माध्यम से लोकतंत्रए न्याय और समानता को अपने शासन व्यवस्था का मूल आधार बनाया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों और संविधान निर्माता नेताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी जो न्याय, समता और अवसरों की समानता के सिद्धांतों पर खड़ा हो।

आज स्वतंत्र भारत शिक्षा, विज्ञान, अनुसंधान, नवाचार तथा सुशासन के क्षेत्र में विश्व मंच पर निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमारी प्रगति केवल तकनीकी या आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, यह हमारे समाज की नैतिक बौद्धिक और सांस्कृतिक चेतना का भी परिचायक है। हमारा राष्ट्र आज स्वावलंबी, सशक्त और समृद्ध भारत बनने की दिशा में आत्मविश्वास और साहस के साथ अग्रसर है।

संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के मूल्य हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं। यही मूल्य हमें यह सिखाते हैं कि विकास केवल भौतिक उन्नति नहीं है बल्कि एक समग्र न्यायपूर्ण और समृद्ध समाज के निर्माण में योगदान देना भी है।

इस अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहेंगे, देश के हित और समाज की भलाई के लिए कार्य करेंगे। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सेवा की भावना को अपनाकर हम न केवल अपने विश्वविद्यालय को बल्कि अपने राष्ट्र को भी नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

इस गणतंत्र दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामना है कि हम सभी संविधान के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करें और एक स्वावलंबी सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें।

जय हिन्द !
राज कुमार मित्तल